महत्वपूर्ण एवं खास

पांच किलो वजनी आईईडी प्रेशर कुकर बम बरामद

नारायणपुर (आरएनएस)। जिले में चलाये जा रहे नक्सली उन्मूलन अभियान के तहत कैम्प कड़ेमेटा से रोड़ सिक्युरिटी ऑपरेशन पर निकली जिला बल एवं आईटीबीपी के जवानों को सर्च के दौरान कैम्प कड़ेमेटा से कुछ ही दूरी पर पल्ली-बारसूर मुख्य मार्ग से 100 मीटर अंदर नक्सलियों द्वारा पुलिस पार्टी को नुकसान पहुँचाने की नियत से लगभग 05 किलो वजनी प्रेशर आईईडी कुकर बम प्लांट किया गया था। प्रेशर आईईडी लगे होने की आशंका होने पर सूझबूझ और सतर्कता से प्रेशर आईईडी को सर्च कर इसकी सूचना नारायणपुर एसपी सदानंद कुमार, को दिया गया। पुलिस अधीक्षक सदानंद कुमार ने सूचना पर त्वरित कार्यवाही करते हुए नारायणपुर पुलिस की बीडीएस टीम को रवाना किया। बीडीएस टीम द्वारा घटना स्थल पहुंचकर सावधानी पूर्वक प्रेशर आईईडी कुकर बम को रिकवर कर नष्ट कर दिया।

नक्सलियों ने प्रेस नोट जारी कर बताया नक्सली देवा की मौत करंट से हुई

दंतेवाड़ा (आरएनएस)। जिले की पुलिस को भुसारास-जियाकोडता के जंगल में में तीन दिन पहले लावारिस हालात में एक नक्सली का शव मय हथियार बरामद हुआ था। आठ लाख के इनामी नक्सली मडक़म देवा की मौत कैसे हुई इस बात के कायस लगाए जा रहे थे। इसी बीच नक्सली कंमाडर मडक़म देवा के मौत के संबंध में नक्सलियों के दरभा डिवीजन के सचिव सांईनाथ ने प्रेस नोट जारी कर बताया कि नक्सली कंमाडर मडक़म देवा की मौत जंगल मे शिकार के लिए ग्रामीणों द्वारा लगाए गए करंट से होने की बात स्वीकारी है। नक्सलियों ने प्रेस नोट में लिखा है कि मडक़म देवा 2017 से नक्सल संगठन से जुड़ा था, जो सुकमा जिले के छिंदगढ़ ब्लाक के कुन्ना गांव का निवासी था। देवा संगठन के काम के लिए जाते समय करंट की चपेट में आ गया था।

पटवारी निलंबित

महासमुंद (आरएनएस)। महासमुंद जिले के बागबाहरा विकासखण्ड के पटवारी हल्का नम्बर 26 लीलाधर डड़सेना पदीय दायित्वों के प्रति अवचार का दोषी मानते हुए अनुविभागीय अधिकारी राजस्व बागबाहरा द्वारा तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। उनकी विभागीय जांच भी संस्थित की गई है। उनका मुख्यालय तहसील कार्यालय बागबाहरा नियत किया गया है। इस आशय के आदेश जारी कर दिया गया हैं। निलंबन आदेश में कहा गया है कि लीलाधर डड़सेना तत्कालीन पटवारी द्वारा पटवारी हल्का नम्बर 33 कोमाखान(आश्रित ग्राम घोयनाबाहरा, घोयनाबाहरा खुर्द, लुकुपाली, कोमाखान, भालुचुंवा) एवं पटवारी हल्का नम्बर 35 (आश्रित ग्राम घोयनाबाहरा, घोयनाबाहरा खुर्द, लुकुपाली, कोमाखान, भालुचुंवा, जुनवानी खुर्द) इत्यादि ग्रामों में मुख्य सडक़ से लगे बस्ती से लगे बेसकीश्रीमती जमीन शासन से प्राप्त भूमि, आदिवासी भूमि एवं अन्य भूमियों को कलेक्टर की अनुमति के बिना, बिना रजिस्ट्री के स्वयं एवं अन्य व्यक्तियों के नाम पर दर्ज कर शासन के नियमों को अनदेखी किया गया है। जो कि शासकीय कार्य के प्रति घोर लापरवाही का घोतक है तथा सिविल सेवा आचरण नियम 1965 नियम 3(1) के विपरीत है।

टैंकर ने मोपेड सवार बुजुर्ग को रौंदा

रायपुर (आरएनएस)। अग्रसेन धाम चौक के पास टेंकर की टक्कर से मोपेड सवार बुजुर्ग की मौत हो गई। मामले में तेलीबांधा पुलिस ने टेंकर जब्त कर चालक के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार ग्राम फुंडा पाटन निवासी मृतक जीवन लाल निर्मलकर 62 वर्ष बुधवार के सुबह अपनी मोपेड से कहीं जा रहा था। तभी अग्रसेन धाम चौक के पास टेंकर क्रमांक सीजी 07 सीडी 2922 के चालक ने लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए मोपेड को टक्कर मार दिया। जिससे मोपेउ सवार जीवन लाल की मौत हो गई। मामले में पुलिस ने टेंकर जब्त कर चालक के खिलाफ अपराध दर्ज किया है।

दत्तक ग्रहण की प्रक्रिया सरल बनाने और उसमें तेजी लाने नियमों में किए गए महत्वपूर्ण संशोधन : दत्तक ग्रहण के आदेश का अधिकार अब जिला दण्डाधिकारी को

- नवीन दत्तक ग्रहण विनियम 2022 पर प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित
- बाल संरक्षण आयोग की अध्यक्ष तेजकुंवर नेताम और केन्द्रीय दत्तक ग्रहण संसाधन प्राधिकरण के अधिकारी हुए शामिल

रायपुर (आरएनएस)। बच्चों के सर्वोत्तम हित को ध्यान में रखते हुए किशोर न्याय (बालकों की देखरेख और संरक्षण) अधिनियम में आवश्यक संशोधन किए गए हैं। इस आधार पर प्रक्रिया को सरल बनाने और उसमें तेजी लाने के लिए महत्वपूर्ण संशोधन करते हुए नया दत्तक ग्रहण विनियम 2022 बनाया गया है। इसमें जिला दण्डाधिकारी (जिला कलेक्टर) को दत्तक ग्रहण का उत्तरदायित्व और आदेश का अधिकार दिया गया है। पहले दत्तक ग्रहण का आदेश न्यायालय द्वारा दिया जाता था। दत्तक ग्रहण की सारी प्रक्रियाएं अब जिला स्तर पर ही जिला दण्डाधिकारी के आदेशानुसार होंगी। विनियम में जिला बाल संरक्षण इकाई की भूमिका को भी महत्वपूर्ण बनाया गया है। यह जानकारी आज राजधानी रायपुर के सिविल लाईन स्थित न्यू सर्किट हाऊस में नवीन दत्तक ग्रहण विनियम 2022 पर आयोजित राज्य स्तरीय उन्मुखीकरण प्रशिक्षण कार्यशाला में दी गई। कार्यशाला का आयोजन केन्द्रीय दत्तक ग्रहण संसाधन प्राधिकरण (कारा) नई दिल्ली, राज्य दत्तक ग्रहण संसाधन अभिकरण और महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा किया गया था।

कार्यशाला में राज्य बाल संरक्षण आयोग की अध्यक्ष तेजकुंवर नेताम, भारत सरकार के केन्द्रीय दत्तक ग्रहण

प्राधिकरण के प्रतिनिधि मनीष त्रिपाठी और वरिष्ठ अधिकारी रूपांशी पाण्डेय, महिला एवं बाल विकास विभाग की संचालक दिव्या मिश्रा, स्वास्थ्य संचालनालय के राज्य समन्वयक डॉ.वी.आर.भगत, यूनिसेफ के प्रतिनिधि अभिषेक सिंह शामिल हुए।

श्रीमती तेज कुंवर नेताम ने कहा कि बच्चों को दत्तक देना और लेना दोनों ही महत्वपूर्ण और जिम्मेदारी का काम है, जिसे पूरी संवेदनशीलता के साथ करना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि नये विनियम के अनुसार अब कलेक्टरों के पास अधिकार हैं। सभी दत्तक ग्रहण की प्रक्रियाओं को जल्दी पूरा करने का प्रयास करें, जिससे बच्चों का भविष्य संवर सके। उन्होंने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का आभार प्रकट करते हुए बताया कि छत्तीसगढ़ में संस्थाओं में रह रहे बच्चों की सुरक्षा और देखरेख के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। उन्होंने बच्चों के लिए उचित लालन-पालन और शिक्षा को महत्वपूर्ण बताते हुए शिक्षकों, पालकों और समाज के नागरिकों से बच्चों के भविष्य को सही दिशा देने का आव्हान किया।

कारा के प्रतिनिधि मनीष त्रिपाठी ने कहा कि किसी बच्चे का सर्वाधिक विकास परिवार में ही होता है। बच्चों को समाज की मुख्य धारा में लाना और परिवार देना विनियम दत्तक ग्रहण कानून का मुख्य उद्देश्य है। रूपांशी पाण्डेय ने बताया कि दत्तक ग्रहण को प्रोत्साहित करने के लिए नवम्बर माह को दत्तक ग्रहण माह के रूप में मनाया जाता है। दत्तक ग्रहण की प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए महत्वपूर्ण संशोधन करते हुए दत्तक ग्रहण विनियम 2022 लागू किया गया है। इसमें जिला दण्डाधिकारी (डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट) की भूमिका को सशक्त बनाया गया है। जिला बाल संरक्षण अधिकारी का उत्तरदायित्व बढ़ाया गया है। हिन्दु दत्तक ग्रहण और भरण-पोषण अधिनियम 1956 (हामा) में आवश्यक संशोधन किये गए हैं। उन्होंने बताया कि दत्तक ग्रहण से संबंधित समस्याओं के निराकरण के लिए हेल्प डेस्क भी बनाया गया है।

संचालक दिव्या मिश्रा ने कहा कि दत्तक ग्रहण का काम संवेदनशीलता और ममत्व से जुड़ा है इसलिए ऐसे बच्चे जिनके पास परिवार नही हैं और जिन्हें देखरेख और संरक्षण की आवश्यकता है, उसकी योजना को मिशन वात्सल्य का नाम दिया गया है। दत्तक ग्रहण के लिए काम करते समय हम सब में मॉ की तरह अभिभावक की भावना और स्नेह होना चाहिए। उन्होंने कहा कि बच्चों के दत्तक ग्रहण में तेजी लाने के लिए कलेक्टरों का संवेदीकरण भी जरूरी है। जितनी शीघ्रता से काम होगा उतनी जल्दी हम बच्चों को परिवार और सुरक्षित भविष्य दे पाएंगे।

दत्तक ग्रहण में मुख्य चिकित्सा अधिकारियों की महत्वपूर्ण भूमिका रहती है, इसलिए उन्हें भी कार्यशाला में प्रमुख रूप से शामिल किया गया।

जिले के विभिन्न गौठानों में चल रहा पैरादान महाअभियान

सारंगढ़-बिलाईगढ़। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के पैरादान की अपील पर आज जिले के विभिन्न गांवों में स्थित गौठानों में बड़ी संख्या में पैरादान किया गया। छत्तीसगढ़ के कई जिलों में किसानों द्वारा खरीफ की फसल के बाद रबी की फसल के लिए पराली (पैरा) को जलाने से पर्यावरण एवं भूमि की उर्वरा शक्ति को नुकसान पहुंचता है। इस दिशा में प्रदेश के किसान भी अपना कदम आगे न बढ़ाएं इसलिए शासन और प्रशासन के द्वारा पैरादान महाअभियान की शुरूआत की गई है। इसी कड़ी में बरमकेला के कोकबहाल गौठान में महिलाओं ने पैरादान किया। गौठान के आसपास जिनके खेत हैं, उन किसान परिवारों की 15-20 महिलाओं ने अपनी जिम्मेदारी समझते हुए गौठान में पैरादान किया। बरमकेला के ग्राम पंचायत-कंडोला गौठान में भी

पैरादान महाअभियान का कार्यक्रम रखा गया। पैरादान करने वाले समूहों के दीदियों एवं पैरादान करने वाले कृषकों का सरपंच/सचिव द्वारा टीका लगाकर, माल्यार्पण किया गया। मिठाई खिलाकर एवं फल से भेंट किया गया। गांव के कृषकों द्वारा आज ट्रैक्टर से 3-3 ट्राली पैरा एवं समूह के सदस्यों द्वारा रमाकांत पटेल के एक एकड़ खेत से पैरा संग्रहण कर गोठान में लाया गया। सारंगढ़ के लेन्धा गौठान में भी गौठान समिति के सदस्यों के आव्हान पर ग्रामवासियों ने पैरा का संकलन कर अपने ट्रैक्टर के माध्यम से गौठान स्थल पर जाकर पैरादान किया, ठीक इसी तरह हिर्री ग्राम पंचायत के गौठान में भी समूह के सदस्यों एवं किसानों द्वारा गौठानों में पैरादान अनवरत जारी है। धीरे-धीरे किसान अब बड़ी संख्या में पैरादान करने में अपनी सहभागिता दर्ज करा रहे हैं। जिले के किसानों ने पैरादान के महत्व को समझते हुए इसे एक उत्सव में तब्दील कर लिया है।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल जी ने पिछले दिनों किसानों से धान कटाई मिसाई के पश्चात शेष पैरा को दान करने की अपील प्रदेश के किसानों से की थी। वे लगातार पैरादान के फायदे गिनाते हुए किसानों से गौठानों में पैरादान करने की अपील करते आ रहे हैं। साथ ही उन्होंने किसानों से यह भी कहा है कि फसल कटाई के बाद पैरा न जलाएं। पैरादान करने से एक बड़ा लाभ यह भी है कि इससे प्रदूषण से मुक्ति मिलेगी और मवेशियों के लिए उचित मात्रा में चारे की व्यवस्था भी होगी।

प्रशिक्षण के दौरान बस्तर फाइटर्स फोर्स के एक प्रशिक्षु जवान की हुई मौत

बीजापुर (आरएनएस)। जिले में बस्तर फाइटर्स फोर्स के एक प्रशिक्षु जवान जवान मुन्नालाल पोयाम कोंडागांव के दहीकोंगा निवासी का प्रशिक्षण के दौरान मौत हो गई है। बताया जा रहा है कि जवान मैदान में दौड़ लगा रहा था, इस बीच वह अचानक जमीन पर गिर गया। गिरने के बाद खून की उल्टियां करने लगा था। कुछ देर बाद जवान ने दम तोड़ दिया। फिलहाल मौत का कारण अभी स्पष्ट नहीं हुआ है। पुलिस के मुताबिक पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का पता चलेगा।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मृत जवान का नाम मुन्नालाल पोयाम हाल ही में बस्तरिया बटालियन में भर्ती हुआ था। मुन्नालाल, बीजापुर जिले के धनोरा स्थित सीएएफ कैंप में ट्रेनिंग ले रहा था। रोज की तरह मैदान में अन्य प्रशिक्षु जवानों के साथ दौड़ लगा रहा था, इस बीच अचानक जमीन पर गिर गया। कुछ देर बाद खून की उल्टी भी किया। साथियों ने अस्पताल पहुंचाया जहां डॉक्टर ने इसे मृत घोषित कर दिया। मृत जवान के शव को पोस्टमॉर्टम के बाद गृहग्राम ग्राम दहीकोंगा भेजा गया, जहां आज शुक्रवार को मृतक जवान का अंतिम संस्कार कर दिया गया।

राष्ट्रपति से पर्वतारोही नैना धाकड़ को मिलेगा लैंड एडवेंचर पुरस्कार

जगदलपुर (आरएनएस)। भारत सरकार के युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय ने वर्ष 2021 के लिए तेनजिंग नोर्गे राष्ट्रीय साहसिक पुरस्कार (टीएनएनएए) नामक राष्ट्रीय साहसिक पुरस्कारों की घोषणा की है। यह पुरस्कार लैंड एडवेंचर, वाटर एडवेंचर, एयर एडवेंचर और लाइफ टाइम अचीवमेंट नामक चार श्रेणियों में दिया जाता है। इस वर्ष सचिव (युवा कार्यक्रम) की अध्यक्षता में राष्ट्रीय चयन समिति का गठन किया गया था। इस समिति में एडवेंचर क्षेत्र के विशेषज्ञ सदस्य शामिल थे। पुरस्कार विजेताओं में से प्रत्येक को लघु प्रतिमा, प्रमाण पत्र और 15 लाख रुपये की पुरस्कार राशि मिलेगी। यह पुरस्कार लैंड एडवेंचर, वाटर एडवेंचर, एयर एडवेंचर और लाइफ टाइम अचीवमेंट नामक चार श्रेणियों में दिया जाएगा। समिति ने सुश्री नैना धाकड़ को लैंड एडवेंचर पुरस्कार के लिए चुना है। सुश्री नैना धाकड़ छत्तीसगढ़ के बस्तर जगदलपुर मुख्यालय से करीब 10 किमी दूर एकटागुड़ा गांव की रहने वाली है। नैना सिंह करीब 10 साल से पर्वतारोहण में सक्रिय हैं। नैना सिंह धाकड़ ने दुनिया की सबसे ऊंची पर्वत चोटी (8848.86 मीटर) एवरेस्ट और चौथी सबसे ऊंची चोटी लोत्से (8516 मीटर) फतह कर चुकी है। पुरस्कार विजेताओं को 30 नवंबर 2022 को राष्ट्रपति भवन में अन्य खेल पुरस्कार विजेताओं के साथ ही भारत की राष्ट्रपति से अपने-अपने पुरस्कार ग्रहण करेंगे। पुरस्कार विजेताओं में से प्रत्येक को लघु प्रतिमा, प्रमाण पत्र और 15 लाख रुपये की पुरस्कार राशि मिलेगी।

कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान में आज से पक्षी सर्वेक्षण प्रारंभ हुआ

जगदलपुर (आरएनएस)। कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान जगदलपुर मध्य भारत के जैव विविधता का अनोखा खजाना है। कांगेर घाटी अपने प्राकृतिक सौंदर्य, जैव विविधता, रोमांचक गुफाओं के लिए देश-विदेश में विख्यात है। यहां भारत के पश्चिमी घाट एवं पूर्वीय हिमालय में पाए जाने वाले पक्षियों को भी देखा गया है। देश के विभिन्न परिदृश्यों में पाए जाने वाले पक्षियों का कांगेर घाटी से संबंध एवं उनके रहवास को समझने का प्रयास समय-समय पर विशेषज्ञों द्वारा किया गया है। इसी कड़ी में एक प्रयास कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान द्वारा बर्ड कॉउंत इंडिया एवं बर्ड्स एंड वाइल्ड लाइफ ऑफ छत्तीसगढ़ के सहयोग से पक्षी सर्वेक्षण का आयोजन किया जा रहा है।

पहली बार कांगेर घाटी पक्षी सर्वेक्षण का आयोजन 25 नवंबर से 27 नवंबर 2022 तक किया जा रहा है। कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान निदेशक धम्मशील गणविर ने बताया कि इस पक्षी सर्वेक्षण में देश के 11 राज्यों के 56 पक्षी विशेषज्ञों का चयन किया गया है। छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, कर्नाटक, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, गुजरात, केरल, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, राजस्थान से प्रतिभागी इस पक्षी सर्वेक्षण में शामिल होने आज फॉरेस्ट ट्रेनिंग स्कूल में पहुंचे।

कांगेर घाटी के अलग-अलग ट्रेल में ये पक्षी विशेषज्ञ अब 27 नवंबर तक पक्षी सर्वेक्षण करेंगे। 03 दिन तक ये कांगेर घाटी के अलग-अलग पक्षी रहवासों का निरीक्षण कर यहां पाई जाने वाली पक्षियों का सर्वेक्षण करेंगे। आज सीसीएफ, इंद्रावती टाइगर रिजर्व फिल्ड निदेशक अभय वास्तव व कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान निदेशक धम्मशील गणवीर, एसडीओ आशीष कुमार द्वारा छत्तीसगढ़ के 167 पक्षी प्रजातियों की पॉकेट गाइड का विमोचन भी किया गया। इस सर्वेक्षण से राष्ट्रीय उद्यान प्रबंधन में सहायता होगी तथा ईको-टूरिज्म में बर्ड वॉचिंग के नए आयाम सम्मिलित होंगे।

एक्सप्रेस-वे में हुए लाखों की लूट का खुलासा, सेल्समेन ही निकला आरोपी

रायपुर (आरएनएस)। राजधानी के न्यू राजेन्द्र नगर क्षेत्र स्थित एक्सप्रेस-वे रोड में हुए लूट की कहानी झूठी निकली। पुलिस ने मामले को चंद घंटों में ही सुलझाते हुए आरोपी सेल्समेन को ही गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के पास से नकदी 92 हजार रूपए, चांदी की अंगूठी व मोबाइल बरामद किया है।

मामले का खुलासा करते हुए पुलिस ने बताया कि प्रार्थी दीपेश कोड़वानी की रावाभांठा मेटल पार्क में बिस्किट की फैक्ट्री है। आरोपी निखिल वलेचा 25 वर्ष भाटापारा का रहने वाला है, जो दीपेश के पास जून 2022 से सेल्समेन का कार्य कर रहा है, जो कंपनी में ग्राहकों से वसूली तथा आर्डर का काम देखता है। आरोपी निखिल वलेचा 24 नवम्बर की शाम 4 बजे प्रार्थी के एम.जी. रोड की ऑफिस से वसूली के लिए निकला था, जो डूमरतराई थोक बाजार अशोक ट्रेडर्स के पास से 92,000 रूपये वसूली किया था जिसकी जानकारी निखिल वलेचा ने प्रार्थी को दिया था। इसी दौरान कुछ समय बाद निखिल वलेचा ने प्रार्थी को मोबाईल फोन कर बताया कि एक्सप्रेस-वे फुण्डहर चौक के आगे दो अज्ञात व्यक्ति उसे रोककर हाथ मुक्के से मारपीट कर उसके आंख में मिर्ची का पावडर डालकर बैग में रखे नगदी 92 हजार रूपये और उसके हाथ में पहने चांदी की अंगूठी को लूट कर भाग गये। जिस पर पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया था। जांच के दौरान पुलिस ने निखिल के रकम लेकर आने के मार्गो के सी.सी.टी.व्ही. कैमरों के फुटेजों का अवलोकन किया गया, परंतु घटनास्थल तक प्रार्थी के साथ इस प्रकार का कोई घटना होना नहीं दिख रहा था। वहीं उससे पूछताछ करने पर बार-बार वह अपना बयान बदल कर लगातार टीम को गुमराह करने का प्रयास कर रहा था। जिस पर अज्ञात आरोपियों की गिरफ्तारी में लगी टीम को निखिल के उपर गहरा शक हुआ एवं टीम के सदस्यों द्वारा कड़ाई से पूछताछ प्रारंभ किया गया। जिस पर निखिल ज्यादा देर अपने झूठ के सामने टिक न सका और अंतत: उसके द्वारा रकम गबन करने की योजना बनाकर लूट की उक्त झूठी घटना को अंजाम देना स्वीकार किया है। पुलिस ने आरोपी के पास से नकदी 92 हजार रूपए, चांदी की अंगुठी व मोबाइल बरामद किया है। बताया जाता है कि आरोपी कर्जे में दबा हुआ था, जिसके चलते उसने लूट की झूठी कहानी गढ़ी थी।

सिरपुर-ईको टूरिज़्म कोडार को मिल रही पहचान, सैलानियों का बढ़ रहा रुझान

महासमुंद (आरएनएस)। महासमुंद ज़िले में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए प्रशासन काम कर रहा है। वही सरकार ने प्रदेश के अलग-अलग जिलों में प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों में मोटल और रिसोर्ट और हॉटेल बनाए हैं। समय-समय पर पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। सिरपुर को राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय हेरिटेज के रूप में विकसित करने और ज्यादा पहचान दिलानें शासन-प्रशासन कटिबद्ध है। जो भी जरूरी कार्य है किए जा रहे है। लोकल टूरिज्म को बढ़ावा और स्थानीय लोगों को रोजगार के अवसर मिल रहे है। इसी वर्ष पर्यटन और प्रकृति को बढ़ावा देने एवं जिले की पुरातात्विक एवं संस्कृति से रूबरू कराने के उद्देश्य से टूर डे सिरपुर (सायकल यात्रा) का भी आयोजन किया गया था। जिसे अच्छा प्रतिसाद मिला। सायकल यात्रा का उद्देश्य लोगों को यहाँ के पर्यटन और प्रकृति से रूबरू करना है।

इस यात्रा में राजधानी रायपुर और महासमुंद के जिला प्रशासन के आला अधिकारी-कर्मचारी, जनप्रतिनिधि, स्कूली छात्र-छात्राएं, गणमान्य नागरिक, पत्रकारगण पूरे उत्साह के साथ शामिल हुए। टूर डे सिरपुर का उद्देश्य जिले के

प्राकृतिक सौंदर्य और पर्यावरण को ध्यान में रखते हुए वेलनेस टूरिज्म, एग्रो टूरिज्म और फिल्म टूरिज्म को शामिल किया गया है। पर्यटन विभाग द्वारा पर्यटन के क्षेत्र में निजी निवेश एवं ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए पर्यटन के क्षेत्र में यह आयोजन किया गया था।

इसके अलावा ऐतिहासिक पर्यटन स्थल सिरपुर को विकसित करने के लिए विशेष क्षेत्र विकास प्राधिकरण के माध्यम से कार्यवाही की जा रही है। इसके साथ ही पर्यटन की दृष्टि से सिरपुर के साईट को और अधिक विकसित किया जा रहा है। छत्तीसगढ़ पर्यटन की दृष्टि से जाना जाता हैं। महासमुंद जिले में पहाड़, नदी, जलाशय एवं ऐतिहासिक और पुरातत्व महत्व के अनेक दर्शनीय स्थल है। जनता के अमूल सुझावों से जिले के पर्यटन स्थलों को और अधिक विकसित किया जा रहा है। सैलानियों के लिए रायकेरा तालाब में बोटिंग सैलानियों के लिए शुरू हो गयी है। वहीं ज़िले के सरायपाली स्थित शिशुपाल पर्वत ट्रैकिंग का नया प्वाइंट बना है। शनिवार और रविवार को यहां पर्यटकों की सबसे ज्यादा भीड़ होती है। इससे सैलानियों में यहां के पर्यटन के प्रति रूझान बढऩे लगा है। कोडार में बोटिंग सुविधा के साथ टेटिंग शुरू हुए अभी कुछ समय बीता है और यह लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। इस वन चेतना केंद्र कुहरी, इको पर्यटन कोडार जलाशय में विभिन्न विभागों के द्वारा सैलानियों के सुख-सुविधा के लिए अपने-अपने स्तर से विभिन्न सामग्रियां मुहैया कराई गयी है।

SJU - Contact No. +91 9301915303 E-mail ID- sjunion29@gmail.com

Social Justice Union

Registered with Govt. No. 5526

Join SJU

अधिकार से न्याय तक

आवश्यकता

इस संघ का गठनसम्पर्ण छत्तीसगढ़ में पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए किया गया है, जिसे छत्तीसगढ़ शासन से मान्यता प्राप्त है, जिसका क्रमांक 5526 है, तथा सम्पर्क हेतु नं0 9301915303 है। इस संघ के गठन पर संघ के संरक्षक एवं लीगल एडवाईजर श्री तथागत श्रीवास्तव (अधिवक्ता, माननीय उच्च-न्यायालय), एवं गवर्निंग बोर्ड के सदस्यों कु0 सी.बी.वर्मा, श्रीमती ऐकता श्रीवास्तव, श्रीमती रजनी ठाकुरे एवं अन्य ने शासन को धन्यवाद ज्ञापित किया, और कहा कि संघ के पास सामाजिक अन्याय अथवा मानवाधिकार हनन सम्बंधी तथ्य के प्रस्तुत होने पर, उसे लिखित में शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन एवं सक्षम व्यक्तियों के समक्ष संघ की ओर से प्रस्तुत किया जावेगा। साथ ही, विधि, न्याय सम्बंधी कार्य हाथ में लेकर बेसहारा, गरीब, परित्यक्ता, विधवाओं के उत्थान के लिए कार्य किया जावेगा।

उद्देश्य एवं नियुक्तियां

मुख्य रूप से संघ का उद्देश्य छत्तीसगढ़ प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर में सामाजिक न्याय हेतु प्रचार-प्रसार करना, तथा मानवाधिकार हेतु जागरूकता पैदा करना है। संघ साक्षरता एवं अनौपचारिक शिक्षा के माध्यम से मानवाधिकार के सम्बंध में प्रचार प्रसार करना चाहता है। इस हेतु प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर पर सामाजिक न्याय एवं मानवाधिकार संरक्षण केन्द्र की स्थापना की जावेगी, और उनमें संघ के द्वारा आधिकारिक नियुक्तियाँ की जावेंगी। प्रत्येक व्यक्ति इस संघ में सदस्य बन सकता है, जिसके लिए संघ के द्वारा निर्धारित नियम एवं शर्तों का पालन किया जाना अनिवार्य है। इस हेतु सदस्यता फार्म संघ के प्रधान कार्यालय में उपलब्ध है।

मुख्य बिन्दु

प्रताड़ित एवं पीड़ित व्यक्ति की समस्याओं को सुनना, आवेदन लेना तथा पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए उचित साधन एवं संसाधनों की जरूरत के अनुसार व्यवस्था करना मूल रूप से इस संघ का कार्य है। पीड़ित व्यक्तियों को न्यायिक, गैर-न्यायिक एवं सामाजिक समस्या पर विधिनुसार एवं संविधान के अनुसार आवश्यक मदद की जावेगी।

पीड़ित संपर्क करें

संघ विशेष रूप से मानवाधिकार दिलाने एवं सामाजिक न्याय प्राप्ति हेतु पीड़ित मानव की हर संभव मदद करेगा तथा इस हेतु पीड़ित मानव के लिए भारतीय संविधान के तहत् विधिक सहायता की व्यवस्था आवश्यकतानुसार करेगा। यदि कोई पीड़ित है तो इस संघ से सम्पर्क कर सकता है।

अन्य बिन्दु

- संघ पर्यावरण संरक्षण एवं पर्यावरण सम्बंधी चेतना हेतु भी जागरूकता लाने का प्रयास करेगा।
- पूरे छत्तीसगढ़ प्रदेश में महिलाओं के अधिकार, श्रमिकों के अधिकार, आदिवासियों के अधिकार, अनुसूचित जाति-जनजातियों के अधिकारों के सम्बंध में विधिक एवं संवैधानिक तौर के कार्यक्रमों को इस संघ द्वारा संचालित किया जावेगा तथा प्रत्येक पीड़ित को उसके कर्तव्यों एवं अधिकारों के बारे में सचेत किया जावेगा। न्याय प्राप्ति हेतु हर संभव मदद की जावेगी।
- संघ शासन से मान्यता प्राप्त है, अतः शासन एवं प्रशासन में विभिन्न पदों पर आसीन् तक पीड़ित की परेशानी को आसानी से पहुँचाया जा सकता है। इस हेतु संघ शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन व्यक्तियों से मुलाकात कर पीड़ित को न्याय दिलाने में समस्त सहायता भी करेगा।
- संघ द्वारा संवैधानिक शिक्षा एवं सामाजिक विकास से सम्बंधित रिसर्च कार्यक्रम किए जावेंगे, एवं समान उद्देश्यों वाली अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय, सरकारी तथा गैरसरकारी संस्थाओं के साथ मिलकर काम किया जावेगा।
- संघ सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के लिए कार्यशाला का आयोजन भी करेगा। संघ देश के भूले बिसरे पर महान विभूतियों के सम्मान में कार्यक्रम भी आयोजित करायेगा।

पढ़िए .... न्यायसाक्षी समाचार-पत्र

:: Address ::
Behind Stadium
Near Career
School, Raigarh,
C.G.
Pin 496001

www.nyaysakshi.com

सभी से अपील की गई है कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में संघ से जुड़कर साथ का साथ दिया जावे ताकि प्रत्येक पीड़ित मानव को न्याय मिल सके एवं एक अच्छे समाज का निर्माण हो सके।

Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU